

डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती महोत्सव

डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती महोत्सव में आप सबका स्वागत है।

सबसे पहले यहां पर राजस्थान की जो महिलाएं बैठी हुई हैं, इन महिलाओं की ताकत, महिलाओं की शक्ति, महिलाओं को मिला अधिकार, समता और न्याय का अधिकार, समतामूलक समाज का निर्माण, जो संविधान के शिल्पकार हैं, जो समानता के प्रेरणादायक हैं, वह बाबासाहेब अंबेडकर जी हैं।

मैं सबसे आह्वान करता हूँ कि हम सब बाबा साहेब की जय बोलेंगे। जयपुर की इस राजधानी के अन्दर आज ये महिलाएं जो बड़ी संख्या में यहां पर बैठी हैं, इन महिलाओं के अन्दर इस समाज में नए परिवर्तन करने की आकांक्षा है, अपेक्षा है। इन 75 वर्षों के लोकतंत्र की इस यात्रा में महिलाओं के जीवन में जिस प्रकार का परिवर्तन आया जैसे महिलाओं को समानता का अधिकार मिला, वह बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की ही देन है।

उन्होंने संविधान बनाने से पहले वर्ष 1927 में भी महिला शिक्षा के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने महिला समानता के लिए संघर्ष किया था और आजादी से पहले महिलाएं जो घर पर रहती थीं, उन्होंने उन महिलाओं के जीवन के लिए संघर्ष किया था और उस संघर्ष के साथ नए निर्माण की अलख जगाई थी। उसके बाद बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी ने आजादी से पहले ही मुम्बई लेजिस्लेटिव असेम्बली में महिला अधिकारों के तहत उनके स्वास्थ्य से संबंधित मैटरनिटी लीव के लिए आवाज उठाई थी।

जब उन्हें संविधान सभा का दायित्व दिया गया तो सबको मत देने के अधिकार, सबको समानता का अधिकार था, किसी तरह का लैंगिक आधार पर भेदभाव नहीं, जाति के आधार पर भेदभाव नहीं तथा अगर भारत के इस लोकतंत्र के अंदर सबको अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम

से देश के प्रधान मंत्री तथा राज्य के मुख्य मंत्री के लिए मताधिकार किसी ने दिया तो बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी ने दिया था।

अब समय आ गया है कि महिलाओं की कोख से पैदा होने वाली हर बेटी, जैसा उस समय बाबा साहेब ने कहा था कि जब तक महिलाएं शिक्षित नहीं होंगी, तब तक इस समाज में परिवर्तन नहीं हो सकते हैं। अगर भारत को विकसित देश बनाना है, भारत का नव निर्माण करना है तो हर महिला को शिक्षित होना पड़ेगा। इसीलिए आज 75 वर्षों के बाद इस देश के अंदर महिलाएं अपने बैंक के खाते से लेकर, गैस-चूल्हे से लेकर, मकान से लेकर तथा सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर किस तरह से आत्मनिर्भर हो सकती हैं, उसके लिए भारत के प्रधान मंत्री जी ने एक नई दिशा तय करने का काम किया।

इसलिए अब आपकी जिम्मेदारी ज्यादा है। आपकी जिम्मेदारी इसलिए ज्यादा है, क्योंकि सृष्टि का निर्माण माँ से हुआ है। माँ की कोख से निकली हुई हर बेटी के लिए हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि हम उसको अच्छी शिक्षा दें, अच्छे संस्कार दें। अगर हम जीवन में कहीं अशिक्षित रह गए हैं तो हमारी सोच यह होनी चाहिए कि मेरी बेटी सबसे ज्यादा शिक्षित हो। देश और दुनिया में नेतृत्व करें। उसके लिए आपको नई अलख जगानी पड़ेगी, नई दिशा तय करनी होगी। बड़ी संख्या में महिलाएं हर गांव तथा ढाणी के अंदर पहुंचकर लोगों को जागरूक करे कि हमारे घर में होने वाली बेटी ही भारत के भाग्य की निर्माता है और हमें इनमें ही देश और दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता पैदा करनी है। इस समाज में जिस परिवर्तन का हम इंतजार कर रहे हैं, वह परिवर्तन आपको ही करना पड़ेगा।

बाबा साहेब ने संविधान में सारे अधिकार दिए हैं। समता का अधिकार दिया है, न्याय का अधिकार दिया है, महिला संरक्षण का अधिकार दिया है। सन् 1951 में जब हिन्दु कोड बिल संसद में पारित नहीं हुआ था तो उन्होंने सत्ता को त्यागकर इन महिलाओं के संघर्ष की नई दिशा तय की थी। इसीलिए अगर हम बाबा साहेब के सपनों को पूरा करना चाहते हैं तो हमारा सपना यही होना चाहिए कि माँ की कोख से पैदा होने वाली हर बेटी को देश और दुनिया की सबसे अच्छी शिक्षा मिले।

आज देश के अन्दर चाहे राज्य की सरकारें हों या केन्द्र की सरकार हो, महिला शिक्षा पर कानून के तहत भी अधिकार है और इसीलिए हमें हर कानून की जानकारी होनी चाहिए। आज संविधान कथा के अंदर हमारे संविधान कथाकार आपको बताएंगे कि संविधान में महिलाओं को क्या-क्या अधिकार हैं। मैं आपसे इतना ही आग्रह करना चाहता हूँ कि आप सब सामूहिकता के साथ मिलकर राजस्थान के हर गांव, हर ढाणी तथा हर शहर में बाबा साहेब के इस संविधान को लेकर जाएंगे तथा महिलाओं के अधिकारों को और उनके दायित्वों को लेकर जाएंगे।

हमने 75 साल तक अधिकार की बात की, लेकिन अगर हमें विकसित भारत बनाना है, नया भारत बनाना है तो अपने दायित्व और कर्तव्यों को निभाते हुए विकसित भारत बनाने में सबसे बड़ा योगदान महिलाओं का हो। देश और राज्यों ने देखा है कि अगर सत्ता बनाने और बिगाड़ने का काम करती हैं तो महिलाएं करती हैं। इतने सजग रूप से मतदाताओं के अंदर महिलाएं हैं। इसलिए आपके एक वोट से सरकारें बनती हैं और सत्ता पलटती है। आप इस वोट की कीमत समझिए। आने वाले समय के अंदर हम एक ऐसे भारत के निर्माण का योगदान दें, एक ऐसे विकसित भारत का निर्माण का योगदान दें, जिसका प्रधान मंत्री जी ने लाल किले के मैदान से देश की जनता को आह्वान किया है। मुझे आशा है कि हम सबके सामूहिक प्रयासों से ऐसा होगा।

बाबा साहेब ने उस समय सपना देखा था कि भारत विकसित राष्ट्र अपने बलबूते पर बनेगा, अपनी ताकत पर बनेगा, महिलाओं की शक्ति और सामर्थ्य से बनेगा, आज हम वह सपना पूरा होते हुए देख रहे हैं। दुनिया के सारे देश भारत की ओर देख रहे हैं। दुनिया के अंदर सबसे बड़ा लोकतंत्र, सबसे बड़ा विशाल देश, सबसे बड़ी विशालता और दुनिया में सबसे बड़े संविधान की ताकत है तो वह भारत के पास है और भारत की ताकत महिलाओं के पास है। इसलिए आज आप सामूहिक रूप से यहां से संदेश लेकर जाएं। बाबा साहेब ने संविधान में जो कहा है, उस संविधान के माध्यम से हर गांव, हर ढाणी के अंदर इस संकल्प के साथ जाएं कि भारत के नए निर्माण में हम सब संकल्प से सहयोग करेंगे।